http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 103

प्रयागराज रविवार 29 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पंचतत्व में विलीन हुए मनमोहन सिंह

राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को यहां निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया और उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नमगायेल वांगचुक, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ ही कई केंद्रीय मंत्री, राजनयिक तथा अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इससे पहले उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया जहां उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही कांग्रेस में कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को काफिले के साथ निगमबोध घाट लाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग उमड़े, लेकिन निगम बोध घाट पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त होने के करण जो लोग कांग्रेस मुख्यालय से शव यात्रा में करीब 11 किलोमीटर पैदल चलकर घाट पर पहुंचे उनमें सबको अंदर जाने नहीं दिया गया। गौरतलब है कि डॉ. सिंह का 92 साल की उम्र में 26 दिसंबर रात करीब 9 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। डॉ. सिंह के निधन के बाद उनका स्मारक बनाने को लेकर कांग्रेस तथा भाजपा के बीच जमकर सियासत हो रही है हालांकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ट्रस्ट बनाकर डॉ. सिंह का समाधि स्थल बनाया जाएगा। डॉ. सिंह 2004 से 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे। इससे पहले 1991 में पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार में वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने देश में उदारवादी आर्थिक सुधार लागू किया जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई रिपीट नई ऊंचाई मिली। वर्ष 1954 में पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एमए करने के बाद कैम्ब्रिज से प्रथम श्रेणी से अर्थशास्त्र (ओनर्स) कर उन्होंने 1962 में ऑक्सफ़ोर्ड से डीफिल किया। वर्ष 1971 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार, 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे और 1980 से 82 तक योजना आयोग के सदस्य बने। डॉ. सिंह 1982–1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और साल 1985 में योजना आयोग के उपाध्यक्ष बने। फिर वह 1990 में प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार नियुक्त हुए। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में भी प्रोफेसर रहे।

कांग्रेस मुख्यालय में मनमोहन के अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अंतिम दर्शन के लिए कांग्रेस मुख्यालय में आज जन सैलाब उमर पड़ा। डॉ सिंह के पार्थिव शरीर को सुबह उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल सहित कई प्रमुख नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की अंतिम दर्शन कर उनको श्रद्धांजलि दी। खराब मौसम के बावजूद कांग्रेस कर्यकर्ता पार्टी मुख्यालय पहुंचे और डॉ सिंह के अंतिम दर्शन कर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस मुख्यालय में डॉ मनमोहन सिंह की पत्नी गुरु शरण कौर तथा उनकी पुत्री ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अंतिम दर्शन किए। डॉ सिंह को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय से निगमबोध घाट के लिए रवाना किया गया जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मनमोहन के अंतिम संस्कार के स्थान को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार के लिए एक अलग स्थान आवंटित नहीं किए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर अपमान किया जा रहा है। वहीं भाजपा ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में एक स्मारक बनाया जाएगा और इसके लिए भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं के पूरा होने में समय लगेगा। कांग्रेस ने नेता जयराम रमेश ने कल देर रात 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्ताव दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाए जहां उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए एक स्मारक बनाया जा सके। श्री रमेश ने कहा, "हमारे देश के लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं कि भारत सरकार उनके वैश्विक कद, उत्कृष्ट उपलब्धियों के रिकॉर्ड और दशकों तक राष्ट्र की उल्लेखनीय सेवा के अनुरूप उनके अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए कोई स्थान क्यों नहीं ढूंढ सकी। यह कुछ और नहीं, भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जानबूझकर किया गया अपमान है।" इस पर भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने आज सुबह कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार देश के आर्थिक विकास का एक प्रमुख आधार रहे नेता को समुचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसी को देखते हुए कल कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया कि डॉ. मनमोहन सिंह की याद में एक स्मारक और समाधि बनाई जाएगी और ये बात कांग्रेस पार्टी को बता दी गई। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताया है कि सरकार ने एक स्मारक बनाने का फैसला किया है और भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद जो भी समय लगेगा, काम उचित तरीके से और जितनी जल्दी हो सके, किया जाएगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, "जिस कांग्रेस पार्टी ने अपने जीवनकाल में कभी डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं किया, आज उनके निधन के बाद भी वे राजनीति करते नजर आ रहे हैं।" गृह मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात जानकारी दी थी कि सरकार को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष से पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का अनुरोध मिला था। केंद्रीय मंत्रिमंडल की कैबिनेट बैठक के तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को बताया कि सरकार स्मारक के लिए जगह आवंटित करेगी। इस बीच दाह संस्कार और अन्य औपचारिकताएं हो सकती हैं क्योंकि स्मारक के लिए एक ट्रस्ट बनाना होगा और उसके लिए जगह आवंटित करनी होगी।

उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मी पहली जनवरी को मनायेंगे काला दिवस

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा प्रदेश की बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में देने के निर्णय का बिजली कर्मियों द्वारा भारी विरोध हो रहा है। बिजली कर्मी धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही अब बिजली कर्मियों ने एलान किया कि एक जनवरी को बिजली कर्मी पूरे प्रदेश में काली पट्टी बांध कर कार्य करेंगे। इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। हालांकि बिजली व्यवस्था पर इसका कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी अपना काम करते रहेंगे। बता दें काफी दिनों से प्रदेश में निजीकरण के विरोध में अभियंताओं और कार्मिकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। गत दिवस भी गोरखपुर में हुई पंचायत में निजीकरण का प्रस्ताव खारिज होने की घोषणा तक आंदोलन जारी रखने का एलान किया गया। बिजली कर्मियों की संघर्ष समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन निजीकरण की एकतरफा कार्रवाई करके अनावश्यक तौर पर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बना रहा है। संघर्ष समिति के शैलेन्द्र दुबे, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, महेन्द्र राय आदि ने ऐलान किया कि 29 दिसंबर को झांसी में होने वाली बिजली पंचायत भी ऐतिहासिक होगी। इसकी तैयारी की जा चुकी है। इसके बाद पांच जनवरी को प्रयागराज में भी बिजली पंचायत होगी। इसी के साथ हर डिस्कॉम में चार अधिशासी अभियंताओं को निलंबित करने के आदेश पर पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने और पूरे मामले में कमेटी बनाकर जांच कराने की मांग की है।

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

गहलोत राज में बने इन 9 जिलों को किया खत्म

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार ने आज कैबिनेट बैठक में कुल नौ जिलों को भंग कर दिया है। अशोक गहलोत सरकार में 17 नए जिलों और तीन नए संभागों की घोषणा की गई थी, लेकिन आचार संहिता से पहले नए जिले और संभाग बनाना अनुचित माना गया। परिणामस्वरूप, जिलों को रद्द कर दिया गया। भजनलाल सरकार ने पिछले प्रशासन के कुछ नए प्रस्तावित जिलों को अव्यवहारिक माना और उनका मानना घ्था कि इससे राजस्थान पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो राज्य के हित में नहीं था। बदलाव के बाद अब कुल 41 जिले और 7 मंडल होंगे। डूडू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुर सिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ और सांचोर को भंग कर दिया गया है। बालोतरा, ब्यावर, डीग–कुम्हेर, डीडवाना–कुचामन, कोटपूतली–बहरोड़, खैरथल–तिजारा, फलौदी और सलूम्बर को बरकरार रखा गया है। पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित 20 नए जिलों में से केवल आठ ही क्रियाशील रहेंगे। पिछले प्रशासन के दौरान बनाए गए नए प्रभागों को बरकरार नहीं रखा जाएगा। 1 जुलाई को, राजस्थान सरकार ने एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया, जिसे नव निर्मित जिलों और डिवीजनों के अस्तित्व से संबंधित आवश्यक पहलुओं की समीक्षा करने का काम सौंपा गया। समिति को 31 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया था। रिपोर्ट एक दिन पहले 30 अगस्त को राजस्थान सरकार के प्रमुख राजस्व सचिव दिनेश कुमार को सौंपी गई थी।

संभल में अब जामा मस्जिद के सामने बनी पुलिस चौकी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस प्रशासन शहर में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये अलर्ट है। इसी क्रम में अब जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण किया जा रहा है। गत दिवस 27 दिसंबर को मस्जिद के पास खाली मैदान पर खोदाई करवाई गई। यह पुलिस चौकी जामा मस्जिद के सामने स्थित मैदान में बनाई जा रही है। एएसपी के नेतृत्व में पुलिस चौकी के लिए जमीन की पैमाइश हो चुकी है। नगर पालिका की टीम के नींव खोदाई के दौरान कुछ लोगों ने पहुंचकर अपनी पुश्तैनी जमीन होने का दावा किया। एसडीएम ने दावे को खारिज कर दिया है। जिस जमीन पर पुलिस चौकी का निर्माण हो रहा है वो जामा मस्जिद के नाम वक्फ जमीन में बनाया जाना है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से पुलिस चौकी का निर्माण कराया जा रहा है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल, मुख्यमंत्री ने की निंदा

मणिपुर, एजेंसी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले में हुए हमले की निंदा की, जिसमें नागरिक और सुरक्षाकर्मी दोनों घायल हो गए। हिंसा के एक नए प्रकोप में, इंफाल पूर्वी जिले के सनासाबी और थमनापोकपी गांवों में सशस्त्र हमलावरों के साथ गोलीबारी में कई नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि इंफाल पूर्व के सनासाबी और थमनापोकपी में कुकी आतंकवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। निर्दोष जिंदगियों पर यह कायरतापूर्ण और अकारण हमला शांति और सद्भाव पर हमला है। प्रभावित इलाकों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता मिल रही है, और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और एकता का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटते समय केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस को उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए। शुक्रवार को, मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, वन विभाग और एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के टी. लंगोइमोल क्षेत्र में पोस्ता विनाश अभियान चलाया, जहां उन्होंने सात एकड़ पोस्ता के बागानों को नष्ट कर दिया। एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, और अधिकारी खेती करने वालों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया। एनएच–37 और एनएच–2 पर आवश्यक आपूर्ति ले जाने वाले क्रमशः 115 और 326 वाहनों की आवाजाही भी सुनिश्चित की गई।

बारिश से उत्तर भारत में बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर भारत में बारिश हो रही है। अब मौसम विभाग की वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा है कि आने वाले दिनों में उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। साथ ही पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में घना कोहरा छाया रहेगा। सोमा सेन रॉय ने कहा कि 'एक मजबूत और तीव्र पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत पहुंचा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी के संपर्क में आने से उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में गरज के साथ बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी बारिश, बर्फबारी और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर भारत में तापमान 3–5 डिग्री सेल्सियस तक गिरना शुरू हो जाएगा। जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भीषण शीत लहर की स्थिति रहेगी।' अगले दो दिनों तक तापमान में 3–5 डिग्री सेल्सियस की कमी रहेगी। जम्मू कश्मीर, लद्दाख में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान शून्य से कम दर्ज किया गया। मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस राजस्थान के चुरू में दर्ज किया गया। आज देश के कई राज्यों में बारिश हो रही है। वहीं हरियाणा, तमिलनाडु और जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। महाराष्ट्र के विदर्भ, जम्मू कश्मीर, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में आज घना कोहरा छाया हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक देश के कई इलाकों में कोहरा छाया रहेगा। कल यानी रविवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान को घने से काफी घना कोहरा छाया रहेगा। साथ ही हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम, मेघालय, नगालैंड आदि।

- मौसम विभाग ने बताया– किन राज्यों में चलेगी भीषण शीतलहर
- उत्तर भारत में 3–5 डिग्री सेल्सियस कम हो सकता है तापमान

रफीः सुरों के साथ इंसानियत के प्रतीक

महान गायक मोहम्मद रफी साहब को हम से बिछड़े चार दशक हो चुके हैं, पर अब तक उनकी आवाज का जादू बरकरार है। उनके गायन से आलौकिक आनन्द की अनुभूति होती है और इसीलिए दुनियाभर में सब उन्हें "परमात्मा की आवाज" कह पूजते हैं। गीतों के इस मसीहा जैसी सादगी, ईमानदारी, उदारता और सरलता की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती और ये उनके सत्कर्मों की पवित्रता ही है कि जो उनके सुर में ढल कर, सात दशकों से उन्हें संसार का सब से चहेता गायक बनाए हुए है।

अहंकार, लोभ, द्वेष और राजनीति से अछूते, रफी साहब की दानवीरता की कहानियॉ, फिल्म जगत में लोक–कथा की तरह, आदरपूर्वक सुनाई जाती हैं। यही वजह कि उनकी आवाज में इतनी पाकीजगी है, इतनी पवित्रता है कि लोग हमेशा उन्हें श्रद्धा, स्नेह और आदर से "रफी साहब" कह के पुकारते हैं। बहुतेरों कलाकारों को स्थापित करने के लिये उन्होंने हजारों गीत मुफ्त गा दिये, चुपचाप आर्थिक मदद कर दी। ये उनकी उदारता देखिये कि इमरजेंसी में किशोर कुमार के गीतों पर लगे प्रतिबन्ध को हटवाने के लिये उन्होनें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी से बात की थी। इस घटना के चश्मदीद गवाह मन्ना डे भी थे लेकिन ये बात रफी साहब की मृत्युपरांत, किशोर कुमार ने खुद रोते हुए बतायी थी क्यूंकि उन दोनों से रफी साहब ने कुछ ना कहने का वचन लिया था!इसीलिये रफी साहब की रचनाओं के श्रवण करने पर ऐसा महसूस होता है जैसे कोई पीर–पैगम्बर या संत, वन्दना में लीन हो, तन्मयता से गा रहा है। उनकी तीन सप्तक से लम्बी आवाज में जो विविधता, लोच, गहराई, ताकत और भाव्यात्मक अभिव्यक्ति थी, उस श्रेष्ठता को आज तलक, कोई गायक या गायिका छू भी नहीं पाया है। स्वर और लयकारी का गुण तो बहुतों के पास होता है पर शब्दों में करूणा, माधुर्य, थिरकन, जोश, पवित्रता, कोमलता और रूहानीयत का सही मिश्रण कर, मार्मिक प्रस्फुटन और सम्प्रेषण करना, सदियों में कोई एकाध बिरला ही कर पाता है। इसीलिये उनकी कृतियाँ लोगों की आत्मा में रम गयीं हैं।

हिमालय की बुलन्दी व सागर की गहराई में गुंथी रफी साहब की इन्द्रधनुषी अदायगी, दिव्य अमृत्त का साक्षात्कार है। आप मंथन करें तो पायेंगे कि उनके गीतों में भाव है, प्रवाह है, पात्र है, एहसास है पर उनकी उपस्थिति के बावजूद, वो "खुद" कहीं नहीं हैं। यानि उनकी आवाज मंत्रमुग्ध करने के साथ–साथ, सब के अंतर्मन के भावों को मुखरित करती है। कोई नहीं जानता कि बीते युग के तानसेन और बैजू कैसा गाते थे, लेकिन सब मानते हैं कि उन दिग्गजों के अवतार सिर्फ विनम्र रफी साहब ही हो सकते थे। परदे पर जब हम उनकी आवाज में अकबर के नवरत्न का "दीपक जलाओ, अंधेरा है मन का दीपक जलाओ" या बैजू का भजन "मन तड़पत हरि दर्शन को आज" सुनते हैं तो दोनों ही महान शास्त्रीय गायक हमारे सम्मुख सजीव हो उठते हैं. गुणीजन मानते हैं कि शायद रफी साहब उन ऐतिहासिक शख्सियतों से भी बेहतर गायक थे क्यूंकि उन्होंने ना केवल स्वर की विविधता को प्रदर्शित किया बल्कि अपनी अभिव्यक्ति और उच्चकोटि के गायन से अनेकों पात्रों को जीवित कर दिया।

संगीतकार चित्रगुप्त कहते थे कि सब गायक–गायिकाओं में संगीत निर्देशकों को संतुष्ट करने की योग्यता थी लेकिन "रफी साहब एकमात्र कलाकार थे जो संगीत रचना को अपनी अनूठी गायिकी से अकल्पनीय और उत्कृष्ट बना देते थे।" संगीतकार प्यारेलाल के अनुसार धुन कितनी भी कठिन होती थी, रफी साहब उसे आसानी से गा देते थे और "उनकी असाधारण क्षमता, संगीतकारों को नए प्रयोग करने को प्रेरित करती थी।" संगीतकार जयदेव ने १६८१ में मुझ से कहा था कि "कई लोकप्रिय और सर्वकालिक गीत कभी बन नहीं पाते, अगर रफी साहब ना होते" और "कई अद्वितीय फिल्में बेअसर हो जातीं अगर रफी साहब ना होते।" इस सन्दर्भ में उन्होनें "प्यासा", "कागज के फूल", "बैजू बावरा", "हकीकत", "मेरे महबूब", "हम दोनों" और "गाइड" जैसी फिल्मों के नाम लिये और कहा कि संगीत जगत में उनका ना कोई सानी था और ना आगे होगा क्यूंकि उनको भजन, गीत, गजल, कव्वाली, पाश्चात्य रॉक और विशुद्ध शास्त्रीय संगीत पर समान महारत हासिल थी। इस कथन की सच्चाई इससे जाहिर होती है कि किशोर कुमार, मुकेश, तलत महमूद जहां रफी साहब के सब से बड़े प्रशंसक थे, वहीं मन्ना डे, रफी साहब को विश्व का सर्वोत्तम गायक मानते थे।

मन्ना डे का मानना था कि "सब गायक–गायिकाओं में रफी साहब अव्वल थे क्यूंकि जो कुछ वो गले से अभिव्यक्त करते थे, वो दूसरे सब गायक–गायिकाओं के लिये करना नामुमकिन होता था।" जो नाद की गहराई और आध्यात्मिकता समझते हैं, वो ही रफी साहब कि आवाज की महानता और प्रभाव को समझते हैं और क्यूँ मंदिर.मस्जिद, धर्म–जाति के झगड़ों से परे, रफी साहब की आवाज सब से असरदार है? पात्र चाहे अमीर.गरीब, शहरी.ग्रामीण, बूढ़े.जवान हों या फिर मजदूर, बाबू, सैनिक या किसान, हर परिस्थिति में और हर चरित्र पे, उनकी आवाज उपयुक्त बैठती थी क्यूंकि उनके स्वर से उत्पन्न भाव, पात्र को पूर्ण करता है। इसीलिये उनकी आवाज परमात्मा की पहचान है और इंसानियत का सर्वोत्तम प्रतीक भी।गुलजार जहां रफी साहब को संगीत का आठवां स्वर कहते थे, वहीं राज कपूर उन्हें "संगीत का बेताज बादशाह" मानते थे। नौशाद की नजर में रफी साहब के गीत ही "हिन्दुस्तान की ध ाड़कन" थे। हालांकि इस बिरले कलाकार ने अपनी कला और मानवीयता से दुनिया को प्रेम और एकता के सूत्र में पिरो दिया पर सरकारी तंत्र ने उन्हें भारत रत्न से सुशोभित नहीं किया। लेकिन इसके विपरीत, उनके करोड़ों प्रशंसक, उनकी याद में श्रद्धांजलि स्वरुप, विश्व के सैंकड़ों देशों में प्रति वर्ष, करीब बीस–पच्चीस हजार कार्यक्रम आयोजित करते हैं, उन्हें हृदय में संगीत सम्राट का सम्मान देते हैं। यही प्रकृति और इंसानियत का पुरस्कार है क्यूंकि महल हो या झोंपड़ा, हर जगह, हर पल, रफी साहब के ही गीत गूंजते रहते हैं। धर्म, जाति, राष्ट्र और भाषा से परे, रफी साहब ने संगीत रचनाओं को जो संबल दिया, जो लोगों को आनंद और सुकून दिया, उसी कारण वो असंख्य लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। बेशक, रफी साहब दुनिया के एक अनमोल रत्न थे!

दुर्गा समस्त शक्ति अर्थात राष्ट्र शक्ति का प्रत्तिरूप

अशोक प्रवृद्ध

हेमाद्री ग्रन्थ में इनके दस और आठ हाथों का उल्लेख है। माता की चतुर्भुजी प्रतिमा भी देखी जाती है, परंतु देवी की दसभुजा और अष्टभुजा स्वरुप ही जनमानस में सर्वप्रचलित है। देवी की दस भुजाएं दस दिशाओं की केन्द्रीय शक्ति होने तथा दस विभूतियों से मानव की रक्षा करने के भाव का प्रमुख रूप से द्योतक है। इसी प्रकार अष्टभुजा आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक है।

नवरात्र में अष्टभुजाओं वाली भगवती दुर्गा की प्रतिमा स्थापन, पूजन, आराधना की परिपाटी है। भगवती दुर्गा की प्रतिमा में हाथों की संख्या विभिन्न पुराणों में अलग–अलग अंकित है। वराह पुराण 95ध्41 में अंकित है कि माता वाराही अपनी बीस हाथों में अस्त्र–शस्त्र एवं धार्मिक–सांस्कृतिक प्रतीकों– शंख,चक्र, गदा, पद्म, शक्ति, महोल्का, हल,मूसल, खड्ग, परिधि ा, भृशुण्डि, मस्तक, खेमट, तोमर, परशु, पाश, कुन्त,त्रिशूल, सारंग, धनुषादि को धारण करती है। देवी भागवतपुराण में इनके अठारह हाथों का उल्लेख है। हेमाद्री ग्रन्थ में इनके दस और आठ हाथों का उल्लेख है। माता की चतुर्भुजी प्रतिमा भी देखी जाती है, परंतु देवी की दसभुजा और अष्टभुजा स्वरुप ही जनमानस में सर्वप्रचलित है। देवी की दस भुजाएं दस दिशाओं की केन्द्रीय शक्ति होने तथा दस विभूतियों से मानव की रक्षा करने के भाव का प्रमुख रूप से द्योतक है। इसी प्रकार अष्टभुजा आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक है।

इसी कारण देवी की दस विद्या, नवदुर्गा अथवा अष्ट मातृका रूप में नाम–स्मरण, पूजा–अर्चना की परिपाटी है। शताक्षी एवं शाकंभरी भी इनका नाम है। आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक अष्टभुजा वाली दुर्गा की वास्तविकता का वर्णन व विश्लेषण वैदिक मत में भी किया गया है। वैदिक विद्वानों के अनुसार पहली भुजा (भुज) पूर्व की है, जहां से उदित होने वाले अदिति सूर्य का प्रातरू काल में पूर्वाभिमुख होकर के याग करना चाहिए। अपने जीवन को प्रकाशमान करना चाहिए। क्योंकि प्रकाश ही तो मानव का जीवन है। अपने अंतर्तम के अंधकार को समाप्त करना चाहिए। अंधकार अज्ञान का प्रतीक है। प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है। यह देवी की एक भुजा है। दूसरी भुजा दक्षिण दिशा है।

अध्यात्म में दक्षिण दिशा में विज्ञान की तरंगे ओत– प्रोत रहती है। दक्षिण में ही शब्दों का भंडार होता है। दक्षिण में ही सोम है। दक्षिण दिशा ही अग्नि और विद्युत का भंडार है। इसलिए यह ईश्वर प्रदत्त दूसरी दिशा, दूसरी भुजा और दूसरी शक्ति है। तीसरी दिशा पश्चिम है, जो ईश्वरीय दिव्य शक्ति माता का तृतीय भुज कहलाता है। यह भुज अन्न के भंडार के रूप में जानी जाती है। जब पश्चिम दिशा से वायु वेग से गति करती है, विद्युत को साथ लेकर आती है तो माता पृथ्वी के गर्भ में नाना प्रकार की आभा को वर्षा से परिणत कर देती है। नाना प्रकार का खाद्य और खनिज पदार्थ इसी से उत्पन्न होने लगता है। इसलिए यह माता की तीसरी भुजा है।

चौथी भुजा उत्तरायण है। योगी, साधकजन सभी उत्तर की दिशा को अभिमुख होकर योगाभ्यास करते हैं। प्राण की गति को प्राप्त करते हैं। सभी शुभ कार्य उत्तर दिशा की ओर मुख करके होते हैं। सभी ज्ञान का भंडार उत्तरायण में रहता है। इसलिए यह ईश्वर रूपी माता की दी हुई चौथी भुजा है। पांचवी भुजा ध्रुवा कही जाती है, जो प्रकृति के साथ जुडने वाली नीचे की ओर की भुजा अथवा दिशा है। प्रकृति एवं पृथ्वी से अनेक साधन और समर्थ प्राप्त होते हैं। साधक अथवा वैज्ञानिक इसमें भी गति करता है। छठा भुजा उर्ध्वा में रहता है अर्थात ऊपर की दिशा जो अंतरिक्ष लोक से द्युलोक तक की गति कराता है। नाना प्रकार की सुखों की, आनंद की, तथा देवत्व की वृष्टि करता है। इसकी प्राप्ति के लिए प्राणी को दैव (देवी) याग करना चाहिए। और ब्रह्मवेत्ता अर्थात ब्रह्म का चिंतन करने वाला साधक बनना चाहिए। योगी की भांति उड़ान करते हुए अनेक लोकों में, मंडलों में भ्रमण करना चाहिए। विज्ञान के युग में गति करनी चाहिए। वैज्ञानिक यंत्रों पर विद्यमान होकर के लोक– लोकातंरों की यात्रा योगाभ्यासी करने लगता है।

उल्लेखनीय है कि याग के समय कलश की स्थापना की दिशा ईशान कोण होती है। योगाभ्यास करने वाला प्राणी मूलाधार में मूल बंध को स्थित करके नाभि केंद्र में ज्योति का प्रकाश दृष्टिपात करता है। उसके बाद जालंधर बंध को लगा करके हृदय चक्र में ज्योति को देखता है। तत्पश्चात कंठ में और स्वाधिष्ठान चक्र में, जहां त्रिवेणी का स्थान अर्थात ईड़ा, पिंगला, सुषुम्ना का मिलन होता है, वहां त्रिभुज कहलाता है, इस त्रिभुज वाले स्थान पर तीनों गुण– रजोगुण, तमोगुण, सतोगुण को दृष्टिपात करके आत्मा ब्रह्म रंध्र में प्रवेश करता है। और ब्रह्म रंध्र में जब योगेश्वर जाता है, तो वह सर्व ब्रह्मांड को दृष्टिपात करता है। ईशान कोण में विद्यमान ज्योति को योगी ध्यानावस्थित करता है।

कुंभकार के द्वारा मृदा से निर्मित कलश में जल ओत–प्रोत होता है। इसमें अमृत होता है। वह अमृत प्राण की वर्षा कर रहा है। ज्ञान की वृष्टि कर रहा है। अर्थात वह सरस्वती का देने वाला है। ज्ञान का पान करने से सरस्वती आती है। अमृत के ही पान करने वाले सरस्वती को अपने में ध ारण करते हैं। यह ईशान माता काली अर्थात पृथ्वी की सातवीं भुजा है। आठवां भुजा दक्षिणायन कृति कहलाता है इसमें विद्युत समाहित होकर और पश्चिम दिशा से अन्न का भंडार लेकर के मानव का भरण पोषण करती है। इसलिए वह भी एक देवी का रूप है, शक्ति का रूप है। इसीलिए योगी व विद्वतजन कल्याण करने वाली माता, देवी से दुर्गुणों को दूर करके, दुर्गुणों को शांत करके कल्याण करने, अपनी अमृत की वृष्टि करने की प्रार्थना करते हैं।इस अष्टभुजा दुर्गा का अपना राष्ट्रीय महत्व भी है। दुर्गा समस्त शक्ति अर्थात राष्ट्र शक्ति का प्रत्तिरूप है, जो कि व्यक्ति और व्यक्तियों का सम्मिलित रूप राष्ट्र, शारीरिक रूप बल, सम्पति बल एवं ज्ञान बल से सिंह सदृश है, उस व्यक्ति में, उस राष्ट्र पर शक्ति (दुर्गा) प्रकट होती है। राष्ट्र को पशुबल (कार्तिकेय), सम्पति बल (लक्ष्मी) एवं ज्ञान बल (सरस्वती) चाहिए, किन्तु बुद्धिहीन के लिए बल, सम्पति एवं ज्ञान निरर्थक ही नहीं, प्रत्युत आत्मसंहार के लिए प्रबल अस्त्र सिद्ध होते हैं।

इसीलिए मनुष्यता के आदिदेव बुद्धि के महाकाय (गणपति) वर्तमान हैं, जिनकी विशाल बुद्धि (शरीर) के भार के नीचे सभी विघ्न (चूहे) विवश रहते हैं। समस्त दिशाओं में फैली हुई राष्ट्रशक्ति ही राष्ट्र की दो, चार, आठ, दस, सहस्त्र और अनन्त तथा असंख्य भुजाएं हैं तथा समस्त प्रकार के उपलब्ध ा अस्त्र–शस्त्रादि ही दिक्पालों के अस्त्र–शस्त्रादि इनके आयुध हैं। कोई व्यक्ति और राष्ट्र ऐसा नहीं है, जिसका विरोध न हो। यही महिष है। दुर्गा के रूप में यह भारतशक्ति की उपासना है।

पौराणिक मान्यतानुसार नवरात्र उत्सव के चौथे दिन पूजी जाने वाली कूष्माण्डा देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए ये माता अष्टभुजा कहलाती हैं। इनके सात हाथों में क्रमशरू कमण्डल, धनुष, बाण, कमल–पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृत में कुम्हड़े को कुष्माण्ड कहे जाने कारण इस देवी को कुष्माण्डा के नाम से संज्ञायित किया जाता है। अपनी मन्द, हल्की हंसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्माण्ड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्माण्डा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अन्धकार ही अन्धकार था, तब इसी देवी ने अपने ईषत? हास्य से ब्रह्माण्ड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा अथवा आदिशक्ति कहा गया है।

इस देवी का वास सूर्यमण्डल के भीतर लोक में है। सूर्यलोक में रहने की शक्ति क्षमता केवल इन्हीं में है। इसीलिए इनके शरीर की कान्ति और प्रभा सूर्य की भांति ही दैदीप्यमान है। इनके ही तेज से दसों दिशाएं आलोकित हैं। ब्रह्माण्ड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में इन्हीं का तेज व्याप्त है। कूष्माण्डा अर्थात अण्डे को धारण करने वाली। स्त्री और पुरुष की क्रमशरू गर्भधारण और गर्भाधान शक्ति है। मनुष्य योनि में स्त्री और पुरुष के मध्य इक्षण के समय मंद हंसी (कूष्माण्डा देवी का स्व भाव) के परिणाम स्वरूप जो उठने वाला आकर्षण और प्रेम का भाव भगवती की ही शक्ति है। इनके प्रभाव को समस्त प्राणीमात्र में देखा जा सकता है। ब्रह्मा के दुर्गा कवच में वर्णित नवदुर्गा नौ विशिष्ट औषधियों में कूष्माण्डा भी शामिल है। पेठा और कुम्हड़ा नाम से प्रचलित यह औषधि रक्त विकार दूर कर पेट को साफ करने में सहायक है। मानसिक रोगों में यह अमृत समान है।

संसार सागर में डूबते हुए पुत्रों को अमोधवाणी से उत्साहित करने वाली त्रैलोक्यजननी, विश्वम्भरी, कृपासागरा, सच्चिदानन्दरूपिणी, भक्तवत्सला, अमृतरसदायिनी, कामदूहा, प्रकृतिरूपा श्रीदुर्गा की उपासना भारतवर्ष के समस्त अंचलों में विभिन्न रूपों में की जाती है। यह वर प्रदान करने के लिए सर्वदा उन्मुक्तहस्त खड़ी रहती है। इसीलिए इसका नाम जगत्तारिणी है। सम्पूर्ण विश्व को सत्ता, स्फूर्ति और सरसता प्रदान करने वाली सच्चिदानन्दरूपा महाचित्ति भगवती श्रीदुर्गा अपने तेज से तीनों लोकों को परिपूर्ण करती हैं तथा जीवों पर दया करके स्वयं ही सगुण भाव को प्राप्त कर ब्रह्मा, विष्णु, महेश से उत्पति, पालन और संहार करती है।

विश्वजननी, मूलप्रकृतिईश्वरी, आद्याशक्ति श्रीदुर्गा सर्वागी, समस्त प्रकार से मंगल करने वाली एवं सर्वमंगलों की भी मंगल है। प्रकृति स्वधा है, पृष्नि है तथा पिशंगिला, पिलिप्पिला, अजा, अमृता, अदिति, उत, अप, अवि, सिन्ध ु, ब्रह्म, त्रदत, त्रिधातु आदि अनेक नाम वाली हैं। प्रकृति से जीव को विविध ा प्रकार की भोग सामग्री प्राप्त होती है, जिसे वह अपने कौशल द्वारा और भी उपयोगी बना लेता है।

जोखिमों को लेकर जागरूकता की कमी

भारत में दिल की बीमारी से जुड़े जोखिमों को लेकर जागरूकता भी काफी कम है। एक जन सर्वेक्षण के मुताबिक आधे लोगों में लाइलाज हाइपरटेंशन व मधुमेह विषयक कोई जागरूकता नहीं है और कोलेस्ट्रोल में वृद्धि को लेकर सिर्फ दस फीसदी लोग ही सचेत हैं। इसके अलावा पर्याप्त स्वास्थ्य शिक्षा के अभाव एवं सोशल मीडिया पर अनाप–शनाप सलाहों के कारण लोगों में अस्वास्थ्यकर भोजन, आलसी जीवनशैली, तंबाकू और पर्यावरणीय प्रदूषण को लेकर जागरूकता का स्तर तुलनात्मक रूप से काफी कम है। हृदय रोगों के जोखिम कारकों पर नियंत्रण पाना जीवनपर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। असमय हृदयाघात को टालने के लिए स्वस्थ जीवनशैली का यह अभ्यास किशोरावस्था में शुरू कर लेना चाहिए और उम्र के साथ बढ़ती जोखिम दर के सापेक्ष इसे और कड़ा होता जाना चाहिए।

अध्ययनों के अनुसार हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय प्रदूषण भी हृदय रोग के बड़े जोखिम कारक के रूप में उभरा है। अस्वास्थ्यकर आवास संरचनाओं से जनित आंतरिक प्रदूषण हृदय के लिए हानिकारक है। घरों, कार्यस्थलों, जिम आदि में कमजोर वायुसंचार व्यवस्था ने स्थिति को और बदतर किया है। कचरा प्रबंधन जैसा महत्त्वपूर्ण तंत्र आज भी आदिम युग में है। दुनिया के अधिकांश मुल्कों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए बनी नीतियों का सख्ती से अनुपालन नहीं हो पा रहा। जिन देशों में पर्यावरण प्रदूषण पर सभी प्रकार से प्रभावी नियंत्रण है, वहां असमय हृदयाघात के मामले काफी कम हैं। जिम में आकस्मिक मृत्यु की त्रासद खबरें भी आई हैं। असामान्य शारीरिक परिश्रम हृदयाघात के खतरे को बढ़ाता है और कठोर शारीरिक व्यायाम शुरू करने से पहले चिकित्सकीय परामर्श अत्यधिक महत्वपूर्ण है। असामान्य मानसिक व भावनात्मक दबाव भी आकस्मिक हृदयाघात के लिए रास्ता खोलता है। इन तीव्र शारीरिक व मानसिक दबावों की अति से बचना महत्त्वपूर्ण है। भगवत गीता भी हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए उचित आहार, विहार, चेष्टा, प्रयास व निद्रा वाली युक्तियुक्त यानी संतुलित जीवनचर्या का संदेश देती है।

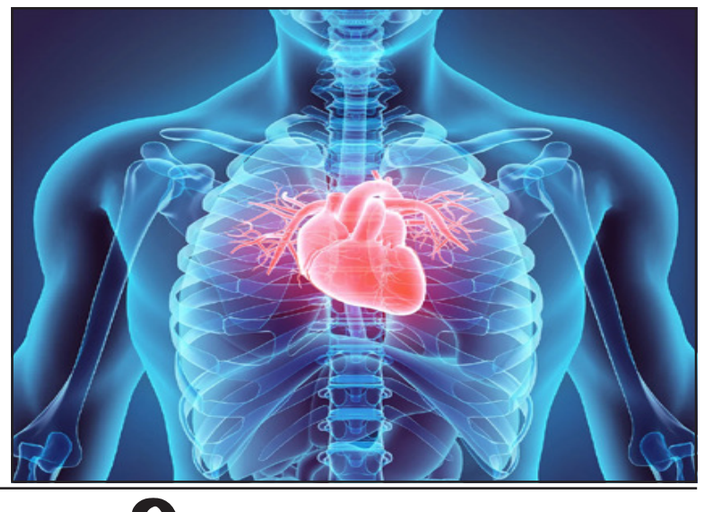

प्रतिस्पर्धा में प्रथम होने की इच्छा

हृदयनारायण दीक्षित

सर्वोत्तम हमारी सर्वोत्तम मनोकामना है। सर्वोत्तम हमारी गहन अभिलाषा है। यही अभिलाषा भिन्न भिन्न रूपों में प्रकट होती है। प्रतिस्पर्धा में प्रथम होने की इच्छा। धनसंग्रही होने की अभिलाषा। लोकसंग्रही होने की आकांक्षा और यश अभीप्सा। शिक्षा हमारे उत्तम को उभारती है और सर्वोत्तम में प्रकट करती है। लेबनानी चिन्तक खलील जिब्रान की सुंदर पुस्तक है 'प्राफेट'। लिखा है, "शिक्षक ने पूछा कि शिक्षा के विषय में बताओ। उसे बताया गया। कोई व्यक्ति तुम्हारे सामने वही उद्घाटित कर सकता है जो तुम्हारे भीतर हो।" शिक्षा हमारे ही सुप्त ज्ञान प्राप्ति का उपकरण है। ज्ञान के लिए चाहिए गुरू। तुलसीदास ने गाया है–"बिन गुरू होंहि कि ज्ञान"? इसी तरह शिक्षा के लिए शिक्षक की महत्ता है और ज्ञान के लिए गुरू की। शिक्षा का शिखर सर्वोत्तम ज्ञान है। ज्ञान का प्रारम्भिक चरण शिक्षा है। शिक्षक का शिखर विकास गुरूत्व है। गुरूत्व विकास का मध्यवर्ती चरण शिक्षक है। गुरू होना हरेक शिक्षक की संभावना है। शिक्षक महत्वपूर्ण है। गुरू को भी शिक्षक होकर ही गुरूत्व मिलता है। बीते 5 सितम्बर को देश में शिक्षक दिवस था। विश्व प्रख्यात भारतीय दार्शनिक डॉ0 राधाकृष्णन की जन्मतिथि (5 सितम्बर) शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारत में शिक्षक को गुरू भी कहा जाता है। शिक्षक की भारतीय अनुभूति यही है। उत्तरवैदिक काल अनूठा है। इस काल में तमाम ज्ञान है, कर्मकाण्ड भी हैं। कर्मकाण्ड विरोधी अनेक चिन्तन धाराएं भी हैं। चिन्तन और दर्शन का विकास ध्यान देने योग्य है। इस काल में तैत्तिरीय आरण्यक के सातवें, आठवें और नवें अध्याय को तैत्तिरीय उपनिषद् कहा जाता है। उपनिषद् प्रारम्भ होती है–शिक्षा व्याख्यास्यमः से। यहां शिक्षा की अतिसंक्षिप्त परिभाषा है। कुल तीन छोटे वाक्य हैं। पहला है–वर्णः स्वर। वर्ण स्वर का बोध शिक्षा है। दूसरा वाक्य पढ़ते हैं–मात्रा बलम्। मात्रा का ज्ञान, इन पर बल देने की जानकारी। तीसरा है–साम सन्तानः। गीता प्रेस के अनुवाद में साम का अर्थ वर्णो का समवृत्ति से उच्चारण है और सन्तान का अर्थ संधि है। फिर अंतिम वाक्य है–शिक्षा अध्याय समाप्त हुआ।

शब्द ज्ञान श्रेय है पर वही अंतिम नहीं। शब्द संसार के ध्वनि प्रतिनिधि ा हैं। यहां प्रत्येक वस्तु, पदार्थ के लिए शब्द है। इसलिए वे स्वयं एक विराट विश्व हैं। संसार में वन, उपवन, पर्वत और नदी समुद्र हैं। तो शब्द संसार में वन, उपवन आदि शब्द हैं। लेकिन वे प्रत्यक्ष वन, पर्वत आदि नहीं हैं। केला, आम या अंगूर वास्तविकता में सुस्वाद फल हैं। इनके नाम केवल संज्ञा हैं। हमारे संज्ञान में वे मूल पदार्थो के प्रतिनिधि स्वर–वर्ण मात्र हैं। आम खाकर मिठाई का बोध होता है। आम कहकर स्वाद नहीं मिलता। वे केवल नाम हैं। नाम से रूप समझना शिक्षा है और देखकर रूप नाम बोलना भी। नाम, रूप, गुण, व्यवहार आदि का ज्ञान शिक्षा से होता है। शिक्षक यही बोध देते हैं। वे संसार का साधारण परिचय कराते हैं। तैत्तिरीय के ऋषि ने शिक्षा की ठीक परिभाषा की है। ऐसा ज्ञान दुखमुक्ति का उपकरण नहीं हो सकता। गांधी जी ने पीड़ा व्यक्त की है कि गणित, भूगोल, इतिहास आदि जानकर मुझे क्या मिला? गांधी सत्यप्रिय थे। सत्यधर्मान् महान व्यक्ति। विश्व मानव। यह शिक्षा उनके काम नहीं आ रही थी। वे आगे बढ़े, सत्य के साथ हो गये।मैंने सम्मानित शिक्षकों से विज्ञान पढ़ा। मातृभाषा पढ़ी। माननीय शिक्षकों ने अंग्रेजी भी पढ़ाई। वह मातृभाषा है नहीं सो मात्र–अंश ही समझ में आई। अर्थशास्त्र पढ़ा एम0ए0 तक। उत्तम अंक मिले, ज्ञान गंध तो मिली लेकिन तत्व ज्ञान नहीं मिला। दुखिया मन और दुखिया रहा। योरोपीय विद्वान और उन जैसे भारतीय विद्वानों ने भारत के प्राचीन साहित्य को ध

ार्मिक आस्था वाला बताकर षड़यंत्र किया था। वैदिक साहित्य विज्ञान और दर्शन की अनुभूतियों से भरापूरा है। यूरोपीय विद्वानों ने भारतीय दर्शन चिंतन को कमतर बताया है। अंग्रेजी सभ्यता ने राष्ट्रजीवन को आत्महीन बताया। अब अंग्रेजी हमारी बुद्धि में है। सभी भारतीय भाषाएं हमारी मां, मा जैसी या मौसी लेकिन अंग्रेजी सुपिरिचित आत्मीय शत्रु। अंग्रेजी भारतीय अनुभूति के प्रकटीकरण में अक्षम है।शिक्षक श्रद्धेय हैं। उम्र में छोटे हों तो भी। मनुस्मृति की बड़ी निन्दा होती है। इसमें शिशु 'दीक्षित' के सम्मान में भी 50–60 वर्षीय वरिष्ठजनों को सम्मान में खड़े होने के सुझाव हैं। तुलसीदास का "श्रीगुरू चरण सरोज रजधनिज मन मुकुर सुधार" दोहा है। इसका अंग्रेजी अनुवाद कठिन है। अंग्रेजी में गुरू का समानार्थी शब्द है नहीं। चरण के लिए शब्द है लेकिन सरोज का क्या करें? उसका ठीक अनुवाद हो भी तो सरोज रज का अनुवाद असंभव। शिक्षक की कठिनाई है। वे सुयोग्य हैं लेकिन शब्द ज्ञान से ही काम नहीं चलता। डॉ0 राधाकृष्णन् भारतीय दर्शन की गहन समझ से भरेपूरे थे। उनकी पुस्तक "इण्डियन फिलास्फी" ने सारी दुनिया को भारतीय चिन्तन की जानकारी दी। गीता का अंग्रेजी अनुवाद असंभव है। उन्होंने इसे संभव बनाया। उन्होंने अनुवाद में अपना कोई दृष्टिकोण नहीं जोड़ा। भारतीय शिक्षा और शिक्षकों में राष्ट्रीय आत्मा की सुवास रही है। शिक्षा अच्छे मनुष्य की निर्मिति है। अच्छा मनुष्य आदर्श मनुष्य होना चाहिए। भारतीय आदर्श का अच्छा मनुष्य लोकमंगल अभीप्सु मानव है। आत्मबोध में वह सम्पूर्ण विश्व का अंश है। शिक्षक पर ऐसा ही मनुष्य गढ़ने की जिम्मेदारी हैं। आदर्श मनुष्य गढ़ना आसान नहीं।

शिक्षा मनुष्य के सर्वोत्तम को प्रकट करती है। इसके लिए ध्यान चाहिए। ध्यान यानी एकाग्रता। विवेकानंद ने कहा है, "एकाग्रता ही वह विधि है जिसके द्वारा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। मन की एकाग्रता ही शिक्षा का सार तत्व है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का यही सर्वोत्तम साधन है। विचारों की एकाग्रता के अभाव में ही मनुष्य भयंकर भूलें करता है। जो मनुष्य प्रशिक्षित होता है या जिनका मन एकाग्र होता है वह भूल नहीं करता। मनुष्य के चित्त की एकाग्रता के अनुपात में भिन्नता के कारण ही मनुष्यों में अंतर होता है। महान व्यक्ति का चित्त एकाग्र और साध ारण व्यक्ति का मन कम एकाग्र या चंचल होता है।

हरेक मनुष्य अनूठा है। अद्वितीय है। उस जैसा दूसरा मनुष्य है ही नहीं। दूसरा हो भी नहीं हो सकता। इसलिए उसके अन्तस् को उसी स्वरूप में, उसकी निजता और वैशिष्ट्य में सर्वोत्तम तक विकसित करने का काम कठिन है। परिश्रमी शिक्षक भी संगीत प्रिय छात्र को अर्थशास्त्र का विद्वान नहीं बना सकता। शिक्षक और छात्र का सम्बंध महत्वपूर्ण है। शिक्षा देना आसान है लेकिन छात्र का ग्राह्यता स्तर मापना कठिन है। उत्तर वैदिक काल में आचार्य और शिष्य साथ–साथ प्रार्थना करते थे–सहनोभुनक्तु, सहनाववतु शब्द आज भी जीवंत हैं। शिक्षा में संसार की उपेक्षा नहीं थी। तैत्तिरीय उपनिषद् में शिक्षा की संक्षिप्त व्याख्या के बाद आचार्य और शिष्य प्रार्थना करते हैं "हम दोनो का यश साथ–साथ बढ़े। हम दोनों का तेज एक साथ बढ़े। हम लोक जानें। ज्योतियां जानें। विद्या (मुक्ति संधान) जानें और प्रकृति रहस्य भी। पृथ्वी पूर्व वर्ण है, अंतरिक्ष उत्तर वर्ण हैं। आकाश संधि है। वायु योजक हैं। आदि।" यहां शिक्षा का विस्तार अंतरिक्ष तक है। जहां तक शिक्षा है वहां तक शिक्षक का भी विस्तार है। इसलिए शिक्षक को आचार्य कहा गया। आचार्य अपने आचार शिक्षा देते थे। गुरू इसी शिक्षक चेतना का विकास है। शिक्षक दिवस गुरू उत्सव ही है।

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें: डीएम

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये िकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनय सुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

शिकायतकर्ता शेष कुमार सिंह निवासी पूरे केशवराय ने शिकायत किया कि प्रार्थी ने अपनी भूमि की पैमाइश हेतु धारा–24 उ0रा0सं0 2006 के तहत आनलाइन आवेदन किया था जिसमें मौके पर कानूनगो श्रीकान्त त्रिपाठी पैमाइश करने गये थे जिनके द्वारा पैमाइश करने में लापरवाही बरती जा रही है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसएचओ कोतवाली नगर एवं उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया है कि संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें।

शिकायतकर्ता रीता वर्मा निवासिनी कन्धई (बनपुरआ) ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी की भूमि पर ग्राम के लोकई प्रसाद निवासी राजमलपुर दबंगई और गुण्डई के बल पर प्रार्थिनी की भूमि पर कब्जा करना चाहते है, प्रार्थिनी ने मना किया परन्तु जबरदस्ती प्रार्थिनी की भूमि में नींव खोद रहे हैं, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी एवं एसएचओ कन्धई को निर्देशित किया है कि शिकायत की जांच कर उचित कार्यवाही करें। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े।

उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

पाप का प्रच्छालन करना चाहिए

जौनपुर (आरएनएस)।मछली शहर के करियांव गांव सभा में पंगुल दास की कुटी श्री राम जानकी मंदिर पर श्री मद भागवत कथा राघवेन्द्राचार्य द्वारा कथा किया जा रहा है कथा के तीसरे दिन कथा का एक आकर्षक प्रस्तुति अमृत वर्षा के रूप में की गई हर श्रोता मंत्र मुक्त होकर तालिया की गड़गड़ाहट से कथा सुनता रहा । आचार्य ने कहा जानबूझकर पाप हो जाए तो पाप का प्रच्छालन करना चाहिए, अनजाने में पाप हो जाए तो क्या करना चाहिए। गंगा स्नान– दान पुण्य करना चाहिए। मंच पर बाल ब्रह्मचारी स्वामी आत्मानंद सरस्वती जी ने भी बाल्मीकि विचार रखा । पत्रकार महेंद्र नाथ पांडे उमरी द्वारा यह कथा कराया जा रहा है।इस अवसर पर क्षेत्र की जानी–मानी हस्तियां उपस्थित रही ।

अधिवक्ता को पहले पीटा, फिर जहर पिलाकर मार डाला

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के खुटहन थाना क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर दबंगों ने अधिवक्ता की पिटाई कर दी आरोप है कि इसके बाद जबरन जहर पिलाया गया । अधिवक्ता को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी रेफर किया गया इलाज के दौरान गुरुवार को उनकी मौत हो गई । अधिवक्ता का मौत से पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जो न सिर्फ अपराध बता रहा है अपितु पुलिस तंत्र को भी बेनकाब कर रहा है। जिसमें अपराध का शिकार हुए घायल अधिवक्ता ने अपनी दर्द भरी दास्तां को बयां करते हुए सात लोगों पर पीटने और जहर देने का आरोप लगाया है उन आरोपियों में एक दरोगा भी शामिल है । घटना के पश्चात पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया है । खुटहन थाना क्षेत्र के खुटहन निवासी 45 वर्षीय मनोज सिंह अधिवक्ता थे । उनका अपने पड़ोसियों से बाग की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था । परिजनों के अनुसार 23 दिसंबर को पुलिस की मौजूदगी में राजस्व विभाग ने जमीन का सीमांकन किया । इसी दौरान एक हिस्सेदार ने अन्य हिस्सेदारों के साथ मिलकर बिना अधिवक्ता की मौजूदगी में भूमि पर रास्ता निकालने का निर्णय लिया । जब मनोज ने इस फैसले का विरोध किया तो गुस्साए पड़ोसियों ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया उस समय गांव वालों ने इकट्ठा होकर बीच बचाव किया।

निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित

सुलतानपुर(आरएनएस)। कटका क्लब सामाजिक संस्था और यूनीक फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में अंगनाकोल में स्थित ए. के.शिक्षा निकेतन स्कूल में एंबुलेंस को रस्ता दें अभियान पर विचार गोष्ठी के साथ छात्राओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरण किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शीतला प्रसाद पांडे ने किया। इस अवसर पर उपस्थित संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा विनम्र ने बताया कि हम सभी के नैतिक जिम्मेदारी है एंबुलेंस को जरूर रास्ता देना चाहिए अगर हम सभी एंबुलेंस को रास्ता नहीं देते हैं सरकार के द्वारा कठोर कार्रवाई भी की जाती है। यूनीक फाउंडेशन अध्यक्ष डॉक्टर अनूप मिश्रा ने बताया कि आज की यह पहल किशोरियों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा और महिलाओं के सशक्तीकरण की ओर अग्रसर करेगी.। इस अवसर पर उपस्थित महिला टीम की अध्यक्ष अनुपमा द्विवेदी ने बताया कि हमारे देश में महिलाएं कभी कमजोर नहीं रहीं, वे शुरू से ही सशक्त रहीं हैं.मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूक होना आवश्यक है । कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्था के महामंत्री सूरज विश्वास ने किया। इस मौके पर उपस्थित आरती पांडे प्रधानाध्यापिका, मोनू यादव, बृजेंद्र मिश्रा, प्रतिमा जायसवाल, विकास अग्रहरी,संतोषी यादव, रागिनी, पूजा, राजेंद्र प्रसाद, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

एसपी ने चौकी का किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने चौकी शिवरामपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवासीय परिसर का भ्रमण कर प्रभारी निरीक्षक को साफ सफाई एवं सर्दियों के मौसम के दृष्टिगत चौकी क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस मौके पर चौकी प्रभारी सत्यमपति त्रिपाठी, पीआरओ प्रवीण सिंह आदि मौजूद रहे।

घरौनी वितरण कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़। नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि जनपद में जनपद मुख्यालय स्थित तुलसी सदन (हादी हाल) में दोपहर 12.00 बजे से घरौनी वितरण कार्यक्रम प्रारम्भ होगा, इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता "नन्दी" जी द्वारा किया जायेगा, जिसमें माननीय विधायक सदर, विश्वनाथगंज व जिलाधिकारी के साथ–साथ मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेगें। इस कार्यक्रम में जनपद स्तर पर विकास खण्ड सदर के ग्रामीणों को जिनका मकान आबादी खाते की भूमि पर अवस्थित है, को भौतिक रूप से मा० मंत्री जी द्वारा घरौनी का वितरण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त घरौनी वितरण का कार्य सभी विकास खण्डों के साथ–साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी मा० जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम का सीधा लाइव प्रसारण भी होगा।

सांसद ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

बाराबंकी। कांग्रेस पार्टी बाबा साहब का नाम इतिहास से मिटाने की भाजपा की हर कोशिश को नाकाम करेगी। डा. भीमराव अम्बेडकर केवल संविधान निर्माता ही नही हैं बल्कि वे सामाजिक न्याय समानता और लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रतीक है। उनके मान सम्मान को ठेस पहुंचाने का कोई भी प्रयास कांग्रेस पार्टी बरर्दाश्त नही करेगी और उनके सम्मान और संविधान की रक्षा के लिये हर स्तर पर संघर्ष करेगी। उक्त बात मंगलवार को सांसद तनुज पुनिया ने नाका सतरिख चौराहे पर अम्बेडकर उद्यान में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात पैदल मार्च के लिये एकत्र हुये। बाबा साहब के अनुयाइयों व कांग्रेसजनों के बीच व्यक्त किये। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात सांसद तनुज पुनिया अपने समर्थकों के साथ में पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा। इस मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के साथ में कई कांग्रेसी दिग्गज नेता मौजूद रहे।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी/माटीकला अधिकारी नन्द लाल पटेल ने बताया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा मिट्टी कला के परम्परागत कारीगरों को मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अन्तर्गत निःशुल्क इलेक्ट्रानिक चाक वितरण हेतु वित्तीय वर्ष 2024–25 में जनपद को 36 इकाई का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लक्ष्य के सापेक्ष जनपद को इलेक्ट्रानिक चाक की आपूर्ति हो चुकी है। चयनित लाभार्थियों को निःशुल्क चाक का वितरण आकांक्षा कान्वेंट स्कूल पृथ्वीगंज भगेसरा में किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल एवं अजीत प्रजापति माननीय सदस्य उ०प्र० माटीकला बोर्ड लखनऊ होंगे। इसके अतिरिक्त माटीकला योजना को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का समय पूर्वान्ह 11.00 बजे निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में माटीकला की विधा से सम्बन्धित योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया जायेगा। जिला ग्रामोद्योग/माटीकला अधिकारी नन्द लाल पटेल द्वारा योजना का लाभ लेने के इच्छुक लोगों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने हेतु अनुरोध किया गया है।

आयोजित हुई कहानी प्रतियोगिताएं

बाराबंकी।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गणेशपुर में प्राचार्य डॉ राजेश कुमार आर्य के मार्गदर्शन में नोडल प्रवक्ता अभिसारिका वर्मा द्वारा प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए वीरगाथाएं थीम पर कहानी सुनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ ए.के. वर्मा एसोसिएट प्रोफेसर रामनगर पीजी कॉलेज बाराबंकी एवं डॉ राजीव यादव असिस्टेंट प्रोफेसर नेताजी सुभाष चंद्र बोस गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज अलीगंज लखनऊ से उपस्थित रहें। प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर संदीप सिंह प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय कटियारा रामनगर, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इंटर हाउस कॉमर्स प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ज्वाय हाउस विजयी

सुलतानपुर(आरएनएस)। करौंदिया, विवेकनगर स्थित कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड एजुकेशन में इंटर हाउस कामर्स प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रधानाचार्य डॉ.एन.डी.सिंह, उपप्रधानाचार्य तन्वी गोयल तथा समन्वयक रेनू सिंह के द्वारा मां सरस्वती तथा बाबू के.एन. सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके हुआ।

एकाउंटेंसी, बिजनेस तथा इकोनॉमिक्स विषय में आलोचनात्मक सोच व कौशल को बढ़ाने के लिए चौरिटी,होप, ज्वाय तथा पीस हाउस के विद्यार्थियों की क्विज प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी ज्वाय हाउस के विद्यार्थी तीरू त्रिपाठी, शैली मिश्रा, आंशी व युवराज श्रीवास्तव, पीस हाउस के विद्यार्थी तनु त्रिपाठी, प्रज्वल श्रीवास्तव, रुकैया खातून व उमरा फातिमा चौरिटी हाउस के विद्यार्थी युवराज अग्रहरि, रुद्र प्रताप, उत्कर्ष मिश्रा, अभय कुमार तथा होप हाउस के विद्यार्थी वंशिका तिवारी, श्रुति सिंह, जोया अफरोज तथा आयूशी पाण्डेय रहीं जिसमें ज्वाय हाउस ने प्रथम स्थान, पीस हाउस ने द्वितीय, चौरिटी हाउस ने तृतीय तथा होप हाउस ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इस कामर्स प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के संचालक वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ शिक्षक नितिन जायसवाल तथा टाइम कीपर वीरेंद्र विक्रम सिंह रहे। इस अवसर पर चारों हाउस के इंचार्ज विश्वासमणि त्रिपाठी, सुनील राठी, देवब्रत सिंह तथा अस्मित गुप्ता उपस्थित रहे।

ड्रिप/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति व पोर्टेबल स्प्रिंकलर स्थापित कराने पर अनुदान

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि कृषक मो0 असलम पुत्र मो0 मुस्तकीम ग्राम गोई विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथधाम ने तीन वर्ष पूर्व 2.0 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रिप सिंचाई पद्धति उद्यान विभाग से अनुदान पर लगाया था जिसमें केला, फूलगोभी, बैगन, शिमला मिर्च तथा ड्रैगन फ्रूट की खेती करता है, अभी मौजूदा समय में उसके पास केला, बैगन तथा ड्रैगन फ्रूट की फसल लगी है।

कृषक असलम ने बताया है कि ड्रिप सिंचाई पद्धति की वजह से खेती बहुत आसान हो गयी है। खेती की लागत से लगभग 20–30 प्रतिशत तक की कमी आयी है जबकि उत्पादन में 30–40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया है कि इस वर्ष ड्रिप सिंचाई पद्धति का 178 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर–240 हेक्टेयर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर–510 हेक्टेयर एवं लार्ज वाल्यूम (रैनगन)–220 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त है।

जिसके लिये 01 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर ड्रिप/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति स्थापित कराने पर 90 प्रतिशत का अनुदान लघु सीमान्त/सीमान्त कृषकों को तथा 80 प्रतिशत का अनुदान सामान्य कृषकों को दिया जाता है। इस प्रकार पोर्टेबल स्प्रिंकलर/लार्ज वाल्यूम (रैनगन) स्थापना का कार्य कृषकों के प्रक्षेत्र पर किया गया है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये कृषक के प्रक्षेत्र पर सिंचाई व्यवस्था हेतु नलकूप लगा होना

का प्रति हेक्टेयर स्थापित कराने पर 75 प्रतिशत लघु सीमान्त/सीमान्त तथा 65 प्रतिशत सामान्य कृषक को अनुदान दिया जा रहा है।

उन्होने बताया है कि अभी तक ड्रिप सिंचाई पद्धति 60.16 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर 181.65 हेक्टेयर तथा पोर्टेबल स्प्रिंकलर 537.30 हेक्टेयर क्षेत्रफल की चाहिये। आवश्यक प्रपत्र के लिये कृषक की स्वयं की जमीन की खतौनी, आधार कार्ड, पासबुक की फोटो कापी एवं एक नवीनतम फोटो पासपोर्ट साइज के साथ किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ में उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

435 मरीजों, तीमारदारों एवं जरूरतमंदो मुफ्त खाना बांटा

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले की अग्रणी सामाजिक संगठन राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ ने अपने साप्ताहिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों तीमारदारों तथा रेलवे स्टेशन परिसर में यात्रियों जरूरतमंदों को शुद्ध पौष्टिक गरम ताजा मुफ्त भोजन वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज में कार्यरत बाल रोग विशेषज्ञ डॉ अजय सोनी ने किया।उधर रेलवे स्टेशन पर समाज सेवी नईम अहमद ठेकेदार ने जरूरतमंदो को निःशुल्क भोजन की थाल वितरित किया। सगठन के राशिद खान बताया कि मेन्यू में अरहर दाल सब्जी रोटी और चावल शामिल था।मेडिकल कॉलेज में 296 और 139 जरूरतमंदों को रेलवे स्टेशन पर निःशुल्क भोजन वितरण किया गया।भोजन वितरण कार्यक्रम में मुख्य सहयोगी प्रदीप कुमार श्रीवास्तव नफीसा खान, राशिद खान, डॉ शादाब खान, अब्दुल वदूद उर्फ बब्बन मिलियन टेलर अबरार खान, एहरार खान अमानत खान, राशिद वर्दी टेलर सुलतान महमूद, सद्दाम खान, सैफ खान, नईम खान, सरदार गुरप्रीत सिंह, आतिफ आसिफ माता प्रसाद जायसवाल, वैधनाथ कश्यप, भोलू आदि थे।

साइबर सुरक्षा गोष्ठी आयोजित

सिद्धौर बाराबंकी।क्षेत्र के मलका इंटर कालेज असंद्रा बाजार में मंगलवार को साइबर सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन कर छात्रों को साइबर अपराधों और उनके निवारक उपायों के बारे में जागरूक किया गया। गोष्ठी में साइबर एक्सपर्ट हिमांशु चौरसिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश साइबर सेफ्टी एंड सिक्योरिटी अवेयरनेस वीक के तहत स्कूली बच्चों और अन्य लोगों को साइबर क्राइम की जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है।छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है।अभी भी बहुत से लोग ऑनलाइन होने वाली ठगी से अंजान हैं।सरकार बराबर लोगों को विभिन्न माध्यमों से ऑनलाइन ठगी के खतरे के प्रति अलर्ट कर रही है।छात्रों के प्रयास से साइबर अपराधों में कमी लाई जा सकती है।छात्र अपने गांव घर के लोगों को इसकी जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने का काम करें।उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म पर आने वाली किसी भी लिंक पर कभी क्लिक न करें, किसी को ओटीपी शेयर न करें और आने वाली किसी भी फोन कॉल पर किसी को अपने आधार, बैंक, एटीएम के विषय में जानकारी न दें।

वॉलीबाल में लखनऊ, खोखो में वाराणसी चौम्पियन

जौनपुर (आरएनएस)। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में हो रही प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल एवं खो–खो प्रतियोगिता के तीसरे एवं फाइनल में वॉलीबाल व खो–खो के विजेता, उप विजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को बिना किसी समारोह को पुरस्कृत किया गया। वॉलीबाल में सेमी फाइनल का पहला मैच गोरखपुर बनाम लखनऊ के मध्य खेला गया जिसमें लखनऊ की टीम (2–1) 25–22, 25–18 एवं 25–16 अंक से विजेता हुई। सेमी फाइनल का दूसरा मैच कानपुर बनाम आजमगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें आजमगढ़ की टीम (2–0) 25–13, 25–02 अंक से विजेता रही। फाइनल मैच लखनऊ बनाम आजमगढ़ के मध्य हुआ जिसमें लखनऊ की टीम 3–2) 25–16, 12–25, 25–10, 26–24 व 15–07 अंक से विजेता रही। आजमगढ़ की टीम की अना रिजवी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा तथा लखनऊ की टीम खुशबू रावत ने अच्छा प्रदर्शन किया। गोरखपुर की टीम ने उक्त प्रतियोगिता में कानपुर मण्डल की टीम को (2–0) 25–14, 25–23 के अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। खो–खो में प्रथम सेमीफाइनल का पहला मैच वाराणसी एवं देवीपाटन के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की टीम 12 अंको से विजयी हुई। दूसरा सेमीफाइनल मैच लखनऊ एवं गोरखपुर के मध्य खेला गया जिसमें गोरखपुर की टीम 12 अंक से विजयी हुई। तीसरे स्थान के लिए खेले गये मैच में देवीपाटन एवं लखनऊ के मध्य खेला गया जिसमें देवीपाटन की टीम 16 अंकों से विजेता हुई। फाइनल मुकाबला वाराणसी एवं गोरखपुर के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की टीम 08 अंक से विजेता होकर खिताब पर कब्जा किया। तीसरे स्थान पर देवीपाटन की मण्डल की टीम अपना स्थान पक्का किया।

दुराचार के आरोपी को 14 वर्ष की कैद, 25 रुपये अर्थदण्ड

बाराबंकी।विशेष पर सत्र न्यायाधीश राजीव महेष्वरम ने 4 वर्षीय बच्ची के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी किशोर अपचारी को 14 वर्ष की कैद व 25000 रुपये जुर्माना भुगतने की सजा सुनाई है।जो जमा होने पर पूरी धनराशि पीड़िता को दी जाएगी। विशेष लोक अभियोजक अजय सिंह सिसोदिया व योगेंद्र सिंह ने बताया कि मामला लोनीकटरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। बीते 14 दिसंबर 2017 को यही का निवासी एक व्यक्ति अन्य लोगों के साथ सुबह सिंचाई कर रहा था।उसके बाद वह मजदूरी करने चला गया। कुछ देर बाद उसकी 4 वर्षीय पुत्री को गांव का ही मोहित मोटरसाइकिल से बैठाकर ले गया तथा दोपहर में नहर के किनारे मोहित ने बच्ची के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया।इसके बाद उसे वादी के खेत वाले घर के पास छोड़ दिया और भाग गया। बच्ची ने रोते हुए अपनी मां से घटना बताई।तो उसकी मां ने उसके पिता को फोन करके घटना की जानकारी दी।

स्वच्छता के प्रति गांवो में चलाये स्वच्छता अभियान : रेनू

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी।विकास खण्ड सिरौलीगौसपुर के सभागार में मंगलवार को ब्लाक प्रमुख रेनू वर्मा की अध्यक्षता एवं खंड विकास अधिकारी के संयोजन में क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पंचम राज्य वित्त एवं केंद्रीय 15 वां वित्त योजना अंतर्गत कराए गए विकास कार्यों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया गया। आने वाले समय में कराए जाने वाले विकास कार्यों का प्रस्ताव पास कराया गया। बैठक को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह ने कहा कि हम सब जनप्रतिनिधि बिना किसी भेदभाव के सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का कार्य करें। जिससे जनता को उसका लाभ मिल सके। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान करते हुए कहा की देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हम सबको मिलकर काम करना पड़ेगा।ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा ने विकास क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि हमारा प्रयास सभी क्षेत्र पंचायत वार्डो तक विकास कार्य कराने का है। ज्यादातर क्षेत्र पंचायत वार्डों में कार्य हो रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने गांवों में फैली गंदगी को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायत एसएलडब्लूएम योजना के तहत चयनित हो चुकी हैं तथा पूर्व चयनित चार गांव ओडीएफ प्लस घोषित हो चुके हैं किंतु गांव में व्याप्त गंदगी हमें शर्मसार करती है। किसी भी विदेशी प्रतिनिधि मंडल को यदि गांव में ले जाने की बात हो तो हम नहीं ले जा सकते हैं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि कम से कम हफ्ते में एक बार गांव को पूरी तरह से साफ करने का प्लान बनाया जाना चाहिए साथ ही गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए काम किया जाना चाहिए। उन्होंने ब्लॉक मिशन मैनेजर की बैठक में अनुपस्थित को लेकर नाराजगी जताई। बैठक में गांव में व्याप्त गंदगी का मुद्दा उठने पर खंड विकास अधिकारी अदिति श्रीवास्तव ने कहा कि गांव में गंदगी फैलाने के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए काम किया जाएगा। वहीं बैठक में मौजूद कई प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों द्वारा बैठक का एजेंडा समय पर न मिलने का मुद्दा उठाया गया। जिस पर खंड विकास अधिकारी ने कहा कि आगे की बैठकों में इसका ध्यान रखा जाएगा कि एजेंडा सभी तक समय से पहुंच जाए। बैठक में उपस्थित स्वास्थ्य,सप्लाई, शिक्षा, बाल विकास, पशु चिकित्सा आदि विभागों से संबंधित अधिकारियों ने अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया। वहीं कई विभागों के अधिकारी कर्मचारी बैठक से नदारत रहे। जिसको लेकर सदस्यों ने नाराजगी जताई। बैठक का संचालन प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत कुलदीप श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विजय कुमार यादव, मनोज सोनी, मोहम्मद कलाम, सांसद प्रतिनिधि ओंन मियां,एमएलसी प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह बबलू, ग्राम प्रधान रियाज मसूद, निसार मेहंदी,अकरम अंसारी, राकेश सिंह एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य असीम श्रीवास्तव सुधांशु वर्मा तालिब अंसारी आदि लोग मौजूद रहे।

नाविक संगठन को प्रशिक्षण दिया

प्रयागराज। वाराणसी स्थित ग्यारह एनडीआरएफ उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने आपदा प्रबंधन व प्रशिक्षण हेतु वृहद पैमाने पर सामुदायिक जागरूकता , स्कूल सुरक्षा एवं क्षमता निर्माण के कार्यक्रम के अभियान चला रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम 11श्र टीम कमांडर निरीक्षक अनिल कुमार व टीम के द्वारा पक्का घाट संगम प्रयागराज मे लगभग 90 नाविक जल आपदा बचाव की प्रशिक्षण

कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आगामी महाकुंभ को देखते हुए पानी मे डूबने से कैसे बचे तथा आने वाले श्रधालुओ को कैसे ध्यान रखे ,सी पी आर देने का तकनिक , इंप्रोवाइज राफ्ट बनाने तकनीक व उपयोग तथा अस्पताल ले जाने पूर्व चिकित्सा आदि की जानकारी दी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्ति को इंप्रोवाइज मेथड से एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने स्ट्रेचर बनाना, फर्स्ट एड देना, सर्पदंश के समय उपचार देने के तरीके शामिल थे। आपदा प्रबंधन जागरूकता अभियान के तहत आपदाओं से बचने व उसके नुकसान को कम करने के तरीके बताएं गए। तथा करीब 90 स्थानिय नाविक को जल आपदा बचाव की प्रशिक्षण दिया गया तथा सभी लोगो को प्रमान पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जल पुलिस प्रभारी जनार्दन जल पुलिस बल उपस्थित रहे।

डीएम एवं एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना देल्हूपुर में पहुॅचकर दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से समाधान करायें। थाना समाधान दिवस में कुल 07 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया है। शिकायतकर्ता कृष्ण प्रताप सिंह निवासी जद्दोपुर थाना देल्हूपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थी की पैतृक आबादी की भूमि पर विपक्षी राम निहोर अनाधिकृत रूप से कब्जा कर निर्माण करना चाहते है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संयुक्त टीम भेजकर शिकायत की जांच कर निस्तारण करायें। इसी प्रकार थाना समाधान दिवस में प्राप्त अन्य शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस में प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर राजस्व सम्बन्धित प्रकरणों का बिना किसी पक्षपात के शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करायें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते अन्यथा की स्थिति मे सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का समय से निस्तारण किया जाये, लापरवाही कदापि न बरती जाये, किसी भी शिकायतकर्ता को कदापि परेशान न किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जो फरियादी भी अपनी समस्या लेकर आये उनकी शिकायतों को गम्भीरता से सुनें। जिलाधिकारी ने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का शत् प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण किया जाये, किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाये और उसका समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से समाधान किया जाये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने थाना देल्हूपुर में विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया तो उसमें कुछ कमियां पायी गयी जिस पर एसओ देल्हूपुर को फटकार लगाते हुये निर्देशित किया कि अभिलेखों में समस्त कार्यवाहियॉ समय से पूर्ण की जाये एवं अभिलेख को सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाये। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि पुलिस थाने में आये हुये फरियादियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें, उनकी शिकायतों को सावधानीपूर्वक सुने तथा जल्द से जल्द उनकी शिकायतों का निस्तारण करायें। इस अवसर पर नायब तहसीलदार रानीगंज सहित सम्बन्धित अधिकारी व राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महाकुंभ 2025 के दौरान चलाई जाएंगी 13,000 से अधिक गाड़ियां

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए भारतीय रेलवे,विशेष रूप से उत्तर मध्य रेलवे, ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस पवित्र आयोजन के दौरान, रेलवे का उद्देश्य लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और कुशल यात्रा सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंचकर इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन का हिस्सा बन सकें। विशेष ट्रेनों का संचालन। महाकुंभ 2025 के दौरान उत्तर मध्य रेलवे 13,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन करेगा, जिसमें 10,000 से अधिक नियमित गाड़ियां यात्रियों की सेवा में होंगी। इसके अलावा, 3,000 से अधिक विशेष गाड़ियां चलाई जाएंगी। विशेष ट्रेनों का वितरण। आउटवर्ड गाड़ियां (जिन्हें आयोजन से बाहर जाने के लिए संचालित किया जाएगा)रू 2,000+ विशेष गाड़ियां। इनवर्ड गाड़ियां (वापसी की यात्रा के लिए)रू 800+ विशेष गाड़ियां।

रिंग रेल मेमू सेवा का परिचालन

महाकुंभ के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रिंग रेल मेमू सेवा शुरू की जाएगी। यह सेवा अयोध्या, काशी और चित्रकूट जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा को सहज और सुगम बनाएगी। तीर्थयात्रियों को इस सेवा के माध्यम से बिना किसी परेशानी के सीधी यात्रा का अनुभव मिलेगा। पिछले महाकुम्भ 2013 की तुलना में अधिक ट्रेनों का संचालन। महाकुंभ 2013 में भारतीय रेलवे ने कुल 1,122 विशेष गाड़ियों का संचालन किया था। जबकि महाकुंभ 2025 के लिए, विशेष गाड़ियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिससे यात्रियों को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव। महाकुंभ 2025 के दौरान भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की यात्रा को आसान बनाने के लिए, 23 जोड़ी (कुल 46 ट्रेनों) को प्रयागराज और नैनी जंक्शन पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। यह पहल तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक और आरामदायक बनाएगी। उत्तर मध्य रेलवे महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर यात्री को सुरक्षित, समय पर और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिले।

सब मिलकर महाकुम्भ को स्वच्छ सुरक्षित और सफल बनाएंगे – बिनय कुमार झा

प्रयागराज। निगम महाकुंभ 2025 की तैयारी जोरों पर है । इसी क्रम में शनिवार 28 दिसम्बर को आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक बिनय कुमार झा प्रयागराज पहुंचे । उन्होंने नगर निगम और मेला प्राधिकरण द्वारा करवाए जा रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया । इसके बाद महाकुम्भ की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग और महाकुंभ मेला की विशेष कार्य कारी अधिकारी आकांक्षा राणा व अन्य अधिकारियों संग मेला अथॉरिटी के सभागार में बैठक की । उन्होंने गंगा तट पर पहुंच कर साफ–सफाई का भी जायजा लिया ।

संतों के साथ बेजुबानों को भी रास आ रही है महाकुम्भ नगर की भव्य दुनिया

प्रयागराज। प्रयागराज में संगम की रेती पर आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ में अभी से भक्ति ,साधना और अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है। महाकुम्भ के अखाड़ा सेक्टर में नागा संन्यासियों के शिविर में इसके विभिन्न रंग देखने को मिल रहे हैं। यहां नागा संन्यासियों के पशु प्रेम ने सबका दिल जीत लिया है। नागा संन्यासी श्रवण गिरी की साधना का हिस्सा है लाली। महाकुम्भ नगर के अखाड़ों के शिविरों में संन्यासियों की एंट्री हो चुकी है। देश के कोने कोने से आए अद्भुत साधक और संन्यासी यहां दिखने लगे हैं। इनमें कुछ अपने पशु जीव प्रेम के लिए अलग नजर आ रहे हैं। मध्य प्रदेश के नरसिंह पुर से महाकुम्भ आए महंत श्रवण गिरी के

एक हाथ में भगवान गणेश के नाम जाप की माला रहती है तो दूसरे हाथ में डॉगी लाली का पट्टा। लाली उनके लिए बेजुबान जानवर नहीं बल्कि उनके लिए उनकी साधना का हिस्सा है। महंत श्रवण गिरी बताते है कि 2019 के कुम्भ में प्रयागराज से काशी जाते समय रास्ते में उन्हें लाली मिली थी। दो महीने की लाली तब से उनके साथ है। जब वह साधनारत होते हैं तो लाली शिविर के बाहर उनकी रखवाली करती है। इतना ही नहीं लाली का हेल्थ कार्ड भी उन्होंने बनवाया है जिसमें उसे निशुल्क उपचार मिलता है। श्री महंत तारा गिरी की आंखों का तारा है सोमा। महाकुम्भ के अखाड़ा सेक्टर में महंत श्रवण गिरी अकेले पेट लवर नहीं हैं। गुड़गांव के खेटाबास आश्रम से महाकुम्भ आए जूना अखाड़े के श्री महंत तारा गिरी अपने पेट सोमा के साथ ही अखाड़े के बाहर धूनी रमा रहे हैं। श्री महंत तारा गिरी बताते है कि सोमवार के दिन सोमा का जन्म हुआ था इसलिए उसका नाम सोमा रखा गया। सोमा की देखभाल महंत तारा गिरी की शिष्या पूर्णा गिरी करती हैं। पूर्णा गिरी बताती हैं कि साधु संतों के कोई परिवार या बच्चे तो होते नहीं हैं ऐसे में यहीं सोमा जैसे पेट ही उनकी संतान है जिसे वो एक अतिथि की तरह रखती है। सोमा भी उनकी तरह तिलक लगाती है, अपनी जटाएं बंधवाती हैं। सोमा भी पूरी तरह सात्विक भोजन ग्रहण करती है। पूर्णा गिरी बताती है कि जितना समय उन्हें अपनी साधना के लिए तैयार होने में नहीं लगता उससे अधिक सोमा को सजाने संवारने में लगता है।

युवा उद्यमी विकास अन्तर्गत किया गया मण्डलीय कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 28 दिसम्बर 2024 को कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, प्रयागराज में मण्डलीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्य शाला का शुभारम्भ करते हुए संयुक्त आयुक्त उद्योग, प्रयागराज मण्डल श्री शरद टण्डन ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत प्रशिक्षित उद्यमियों को प्रथम चरण में रू0 5.00 लाख तक के ब्याजमुक्त तथा गारण्टीमुक्त ऋण की व्यवस्था है। परियोजना की धनराशि पर 10 प्रतिशत अनुदान तथा 4 वर्षों तक सी0जी0टी0 एम0एस0ई0 पर व्यय भी सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। द्वितीय चरण में रू0 10.00 लाख तक के ऋण की व्यवस्था है। योजनान्तर्गत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में ऋण दिये जाने का प्राविधान है। योजना के विषय विशेषज्ञ डा0 संतोष उपाध्याय द्वारा उपस्थित प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत पोर्टल

पर ऑन लाइन आवेदन किया जाता है, जो कि आधार बेस्ड है। श्री उपाध्याय द्वारा आवेदन करने की पूरी प्रक्रिया को बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया। जिला अग्रणी प्रबन्धक श्री मणि प्रकाश मिश्रा एवं सहायक जिला अग्रणी प्रबन्धक गौरव त्रिपाठी द्वारा उपस्थित अभ्यर्थियों को विश्वास दिलाया गया कि अभ्यर्थियों द्वारा भरे गये आवेदन पत्रों पर बैंकों द्वारा शीघ्र विचार कर ऋण हेतु कार्यवाही की जायेगी। उनके माध्यम से सभी बैंकों को निर्देश दिये जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से आन लाइन प्राप्त आवेदन पत्रों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही की जाये। प्रश्नोत्तर सत्र में भावी उद्यमियों द्वारा किये गये प्रश्नों का विषय विशेषज्ञ श्री निखिल अग्रवाल द्वारा उत्तर दिया गया। उनके द्वारा उपस्थित अभ्यर्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनकी समस्याओं / शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यशाला में मण्डल के लगभग 700 अभ्यर्थी उपस्थित रहे साथ ही उपायुक्त उद्योग प्रतापगढ, फतेहपुर तथा कौशाम्बी, प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 के प्रतिनिधि श्री प्रभाकर पाण्डेय भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, प्रयागराज के श्री मोहम्मद जावेद, पटल सहायक श्री मंजुल द्विवेदी द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

यूपीसीए ट्रायल के लिए रजिस्ट्रेशन 31 दिसंबर से शुरू होगा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सभी आयु वर्ग और रणजी ट्रॉफी ट्रायल के लिए खिलाड़ियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 31 दिसंबर से शुरू होगा। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक डॉ. सुरेश द्विवेदी के अनुसार प्रयागराज मण्डल में आने वाले चार जनपदों (इलाहाबाद, मिर्ज़ापुर, भदोही और चित्रकूट) के क्रिकेटर कहीं से भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन (िजचेरू / ूनचबं.जअ) करने के बाद चालान की प्रति (खिलाड़ी द्वारा अपनी ऑन लाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बाद चालान तैयार किया जाएगा), रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर एवं शुल्क के साथ इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यालय 02, कानपुर रोड (निकट सप्लाई डिपो, चौफटका पॉवर हाउस) प्रयागराज में दोपहर 2 से 5 बजे के मध्य शहज़ादे आलम अथवा संयुक्त संयोजक (प्रबंधन) सोमेश्वर पाण्डेय से संपर्क कर सकते हैं।

कई मुस्लिम देश में प्रभु श्री राम के अनुसरण हो रहा है – आचार्य अखिल महाराज

प्रयागराज। अयोध्या में श्री राम कथा करने पहुंचे आचार्य अखिल महाराज ने कहा कि पिछले एक वर्ष में अयोध्या पूर्ण रूप से बदल गई है और अयोध्या के कारण भारतवर्ष का गौरव पूरे विश्व में फैल रहा है, क्योंकि हमारे प्रभु श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे और आज भी कुशल राज्य संचालन का जब भी वर्णन होता है तो प्रभु श्री राम का नाम सबसे पहले आता है। उन्होंने बताया कि मैं निरंतर भ्रमण पर रहता हूं देश विदेश की यात्रा कर चुका हूं लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत का जो गौरव विश्व में स्थापित

हुआ है इसके पहले नहीं था इसके पीछे का कारण केवल और केवल प्रभु श्री राम है। आज भी कई मुस्लिम देश में प्रभु श्री राम के अनुसरण किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार सशक्त है वह जब चाहे तब बांग्लादेश को अपने कब्जे में ले सकती है लेकिन हम ऐसा नहीं करते हैं हमारी संस्कृति हमें वसुदेव कुटुंबकम की शिक्षा देती है, यही कारण है कि हम अभी समझ रहे हैं। हमारी सरकार कमजोर नहीं है लेकिन फिर भी हम चाहते हैं की बांग्लादेश की नई सरकार हमारे हिंदू भाइयों को हमारे धर्म स्थान को संरक्षित करें। उन्होंने बताया कि अयोध्या का परिवर्तन मनमोह ले रहा है। और आने वाले समय में इसमें और विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धर्म आधारित होनी चाहिए। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले 10 वर्षों में मजबूत हुई है इससे हमारी साख पूरे विश्व में बढ़ी है यह वर्तमान सरकार की देन है। श्री महाराज जी ने कथा में भगवान श्री राम के विवाह का वर्णन किया और कहा कि यह विवाह सभी को सुख प्रदान करता है। श्री महाराज जी के साथ आए उनके सुपुत्र आचार्य देवांग द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान समय में धर्म के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ी है निश्चित ही शिक्षा में परिवर्तन होना चाहिए जिससे हम धर्म का और विकास कर सके। उन्होंने कहा कि हमारा सनातन धर्म तर्क पर पूर्ण है,या हम यूं कह सकते हैं कि हम पूर्ण रूप से वैज्ञानिक हैं क्योंकि हमारे वेदों से वैज्ञानिकों ने बहुत कुछ सीखा है। हमारा कर्तव्य है कि हम धर्म युक्त शिक्षा की तरफ युवाओं को प्रेरित करें जिससे हमारे युवा हमसे जुड़े और हम और सशक्त और मजबूत हो सके। कथा के आयोजन संजय अग्रवाल ने बताया कि हमारा पूरा एक परिवार है जो महाराज जी से जुड़ा हुआ है हम लोग 2007 से विभिन्न धार्मिक स्थलों में वर्ष में एक बार कथा का आयोजन करते हैं चारों धाम में कथा हो चुकी है प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में कथा हो रही है जिसमें देश के तो विभिन्न कोने से भक्त आए ही हुए हैं लेकिन अमेरिका कनाडा जैसे विदेश से भी दर्जनों लोग गुरु जी के सानिध्य में आकर के कथा श्रवण कर रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने रखी थी 2047 तक विकसित भारत की आधारशिला – नृपेंद्र मिश्र

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने अपनी भावांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित देश होने की आधारशिला स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने रखी थी। और आर्थिक स्थिति देश को नई मोड देने का कार्य किया था। अयोध्या में दो दिवसीय मंदिर निर्माण समिति की दो बैठक निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र सर्किट हाउस में मंदिर निर्माण संबंधित जानकारी देने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी याद किया. उन्होंने कहा कि मैंने उनके अधीन कार्य किया था, और उन्होंने वर्ष 1991

में वित्त मंत्री होने दौरान भारत के आर्थिक इतिहास को जो नई मोड़ दी आज हम लोग जिस स्थिति में हैं और जो हम लोग कहते हैं कि 2047 तक हमारी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी होगी हम भी किस देश होंगे. इसकी आधारशिला निश्चित रूप से वित्तीय मंत्री की हैसियत से उन्होंने रखी थी मेरा उनके प्रति शत–शत प्रणाम है।

अत्याधुनिक मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल,आपदाओं से निपटने में होगा कारगर

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 की तैयारियों के बीच एक और बड़ी पहल की गई है। अब महाकुम्भ के विशाल आयोजन में किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए अत्याधुनिक मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल को मैदान में उतारा गया है। इस वाहन में कई आधुनिक सुविधाएं और उपकरण शामिल हैं, जो आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने और आपदा प्रबंधन को आसान बनाने में मदद करेंगे।विक्टिम लोकेशन कैमरा से भी लैस है व्हीकल। महाकुम्भ के नोडल और मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा के अनुसार यह वाहन विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है, जो प्राकृतिक आपदाओं से लेकर सड़क दुर्घटनाओं तक, हर परिस्थिति में उपयोगी साबित होंगे। 10 से 20 टन क्षमता वाले लिफ्टिंग बैग के जरिए वाहन मलबे के नीचे दबे लोगों को आसानी से बाहर निकालने में सक्षम है। यही नहीं, डेढ़ टन तक की भारी वस्तुओं को उठाने और स्थानांतरित करने के लिए इसमें विशेष मशीनें फिट की गई हैं। आपदा के दौरान मजबूत मलबे को काटने और फैलाने के लिए वाहन में विशेष टूल्स उपलब्ध हैं। इसके साथ ही, यह विक्टिम लोकेशन कैमरा से भी लैस है जो मलबे या ध्वस्त संरचनाओं में फंसे लोगों को खोजने में अत्यंत मददगार है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संचालन के लिए इनबिल्ट जनरेटर की सुविधा है, जो कठिन परिस्थितियों में भी काम करेगा। इसके अतिरिक्त वाहन में रेस्क्यूवर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स रखे गए हैं। इसमें लाइफ जैकेट, लाइफ रिंग, रेस्क्यू कांटा और लाइफ बाय जैसे उपकरण हैं जो इसे और उपयोगी बनाते हैं। अग्नि आपदाओं के दौरान तापमान की सही जानकारी के लिए वाहन में टेंपरेचर मेजरिंग डिवाइस उपलब्ध है। आपदाओं से निपटने में मिलेगी मजबूती। उन्होंने बताया कि इस मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल की तैनाती के बाद महाकुम्भ के दौरान संभावित आपदाओं से निपटने में प्रशासन को काफी मदद मिलेगी। यह वाहन न केवल कुम्भ मेले के लिए, बल्कि अन्य आपदा प्रबंधन अभियानों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

सुरक्षा व्यवस्था हेतु चलाया जा रहा है विशेष अभियान

प्रयागराज। महाकुम्भ वर्ष 2024–25 के दृष्टिगत जनपद प्रतापगढ़ शहर को जाम से निजात दिलाने हेतु अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन, प्रयागराज एवं पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रयागराज के पर्यवेक्षण एवं पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर / यातायात प्रतापगढ़ शिवनारायण वैश, ईओ नगरपालिका के नेतृत्व में शहर कोतवाल एवं प्रभारी यातायात के द्वारा अभियान चलाकर राष्ट्रीय राजमार्ग 331 थाना

कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत भंगवा चुंगी से सदर चौराहा के मध्य दिनांक 28.12.2024 को अवैध अतिक्रमण हटवाया गया एवं राजकीय क्रेन द्वारा 01 वाहन को टोचन करके पुलिस लाईन लाया गया तथा 03 वाहन को सीज किया गया। यातायात नियमों का उलंघ्घन करने वाले 93 वाहनों का प्रवर्तन की कार्यवाही की गयी। ताकि अयोध्या एवं महाकुम्भ में आने–जाने वाले श्रध्दालूओं एवं आमजन के वाहनों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

तीनों वैष्णव अखाड़ों में चरण पादुका पूजन के बाद विधि विधान से धर्म ध्वजा की हुई स्थापना

प्रयागराज। महाकुम्भ नगर का अखाड़ा सेक्टर अखाड़ों के विविध धार्मिक आयोजन से भक्ति और अध्यात्म के रंग में सराबोर है। संन्यासी अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापना के बाद सेक्टर 20 में तीनों वैष्णव अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापना भी शनिवार को स्थापित हो गई। वैष्णव अखाड़ों में भी महाकुम्भ के विभिन्न अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। सेक्टर 20 में वैष्णव अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापित। महाकुम्भ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण सनातन धर्म के 13 अखाड़ों में भक्ति और अध्यात्म का रंग चढ़ने लगा है। संन्यासी अखाड़ों के बाद अब वैष्णव परंपरा के तीनों अखाड़ों ने सेक्टर 20 के त्रिवेणी मार्ग में स्थित शिवरों में अपनी अपनी धर्म ध्वजा स्थापित कर दी। वैष्णव परंपरा के अनुरूप ही तीनों वैष्णव अखाड़ों श्री पंच निर्मोही अनि अखाड़ा, श्री पंच निर्वाणी अनि और श्री पंच दिगंबर अनि अखाड़े की शनिवार को चरण पादुका पूजन और धर्म ध्वजा की स्थापना की गयी। श्री पंच निर्मोही अनि अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास के मुताबिक चरण पादुका और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद अब अखाड़े में सभी तरह के कार्यक्रमों की

शुरुआत हो जाएगी। तीनों अखाड़े में ईष्ट देव भगवान हनुमान जी का प्रवेश हो गया है। तीनों अखाड़े के ईष्ट देव हनुमान जी महाराज हैं, जो कि धर्म ध्वजा के रूप में अखाड़े में विराजमान हो गये हैं। उनके मुताबिक पूरे महाकुम्भ तक हनुमान जी की यह ध्वजा इसी तरह शान से फहराती रहेगी। सीएम योगी का भी था स्थापना समारोह में शामिल होने का कार्यक्रम। इन तीनों अखाड़ों के शिविर में विधि विधान से धर्म ध्वजा स्थापना का कार्यक्रम संपन्न हो गया। श्री पंच निर्मोही अणि अखाड़े के अध्यक्ष श्री महंत राजेंद्र दास जी का कहना है कि इस धर्म ध्वजा समारोह में शामिल होने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आज यहां आना था लेकिन देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद राष्ट्रीय शोक घोषित हो गया और ऐसे में मुख्यमंत्री के यहां आने का कार्यक्रम भी एक दिन पहले निरस्त हो गया। लेकिन अब जल्द ही मुख्यमंत्री जी यहां आएंगे। धार्मिक परम्परा के अनुसार सबसे पहले इन तीनों वैष्णव अखाड़ों में पहले अस्तित्व में आए श्री पंच दिगम्बर अनी अखाड़े की धर्म ध्वजा स्थापित हुई जिसके साथ अन्य दोनों अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापित हो गई। इस ध्वज स्थापना समारोह में सभी 13 अखाड़ों के प्रमुख संत भी मौजूद रहे।

नरहरपुर ग्राम सभा में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

प्रयागराज। जनपद के विकास खण्ड मंगरौरा के ग्राम सभा नरहरपुर में श्रद्धा और भक्ति के साथ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है। यह आयोजन 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक ग्राम सभा में सिद्ध ब्रम्ह स्थान निकट एकासा विद्या मंदिर के पास हो रहा है। इस

धार्मिक आयोजन में प्रख्यात कथावाचक आचार्य पंडित मोहित द्विवेदी जी महाराज भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और श्रीमद्भागवत के महत्त्व पर प्रकाश डाल रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ एक विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक परिधान पहनकर भाग लिया। कथा के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं। आचार्य जी ने कथा में धर्म, भक्ति और जीवन के आदर्शों का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला एक मार्गदर्शक है। कथा के सातवें और अंतिम दिन हवन–पूजन और 1 जनवरी को महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। इस कथा के अयोजन समस्त ग्रामीणों के सहयोग से किया गया है। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों में आध्यात्मिक जागरूकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। पूरे गांव में उत्सव का माहौल है, और भक्तगण बड़े उत्साह के साथ कथा में भाग ले रहे हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई / 2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी / 2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062